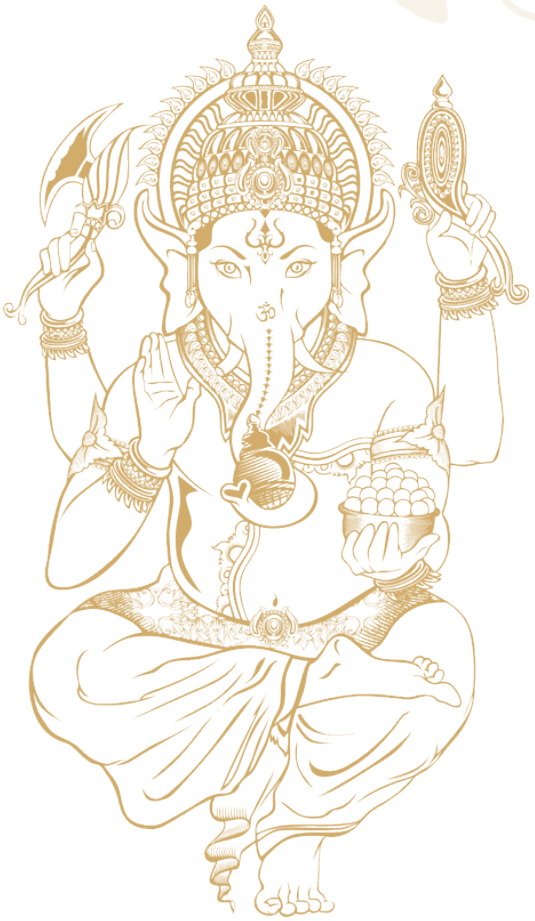

Sudhir

01 May 1961

04:30 AM

Hardoi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121413803

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**30-01/05/1961**
दिन	रवि-सोमवार
जन्म समय	**04:30:00 घंटे**
इष्ट	57:24:47 घटी
स्थान	**Hardoi**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	27:23:00 उत्तर
रेखांश	80:06:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:09:36 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	04:20:24 घंटे
वेलान्तर	00:02:46 घंटे
साम्पातिक काल	18:54:58 घंटे
सूर्योदय	05:32:05 घंटे
सूर्यास्त	18:42:06 घंटे
दिनमान	13:10:02 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	17:01:40 मेष
लग्न के अंश	25:48:24 मीन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मीन - गुरु
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**स्वाति - 4**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	व्यतिपात
करण	बालव
गण	देव
योनि	महिष
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	ता-तरुण
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मीन	25:48:24	492:02:33	रेवती	3	27	गुरु	बुध	राहु	---
सूर्य			मेष	17:01:40	00:58:13	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	चंद्र	उच्च राशि
चंद्र			तुला	19:17:33	13:33:28	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	मंगल	सम राशि
मंगल			कर्क	04:05:10	00:30:19	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	शनि	नीच राशि
बुध		अ	मेष	15:50:13	02:08:26	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	सूर्य	सम राशि
गुरु			मक	12:52:48	00:04:33	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	नीच राशि
शुक्र	व		मीन	19:27:10	00:02:55	रेवती	1	27	गुरु	बुध	शुक्र	उच्च राशि
शनि			मक	06:28:43	00:00:51	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	स्वराशि
राहु	व		सिंह	10:38:52	00:10:42	मघा	4	10	सूर्य	केतु	शनि	शत्रु राशि
केतु	व		कुंभ	10:38:52	00:10:42	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	शत्रु राशि
हर्ष			कर्क	28:20:28	00:00:05	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	---
नेप	व		तुला	16:37:35	00:01:38	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	शुक्र	---
प्लूटो	व		सिंह	12:17:24	00:00:29	मघा	4	10	सूर्य	केतु	बुध	---
दशम भाव			धनु	19:19:44	--	पूर्वाषाढ़ा	--	20	गुरु	शुक्र	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:18:51

लग्न-चलित

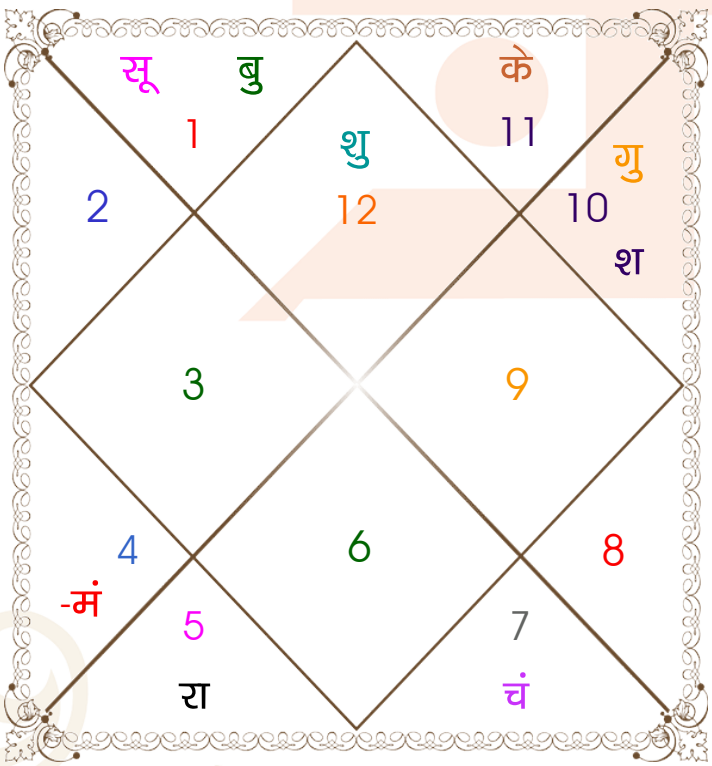

चन्द्र कुंडली

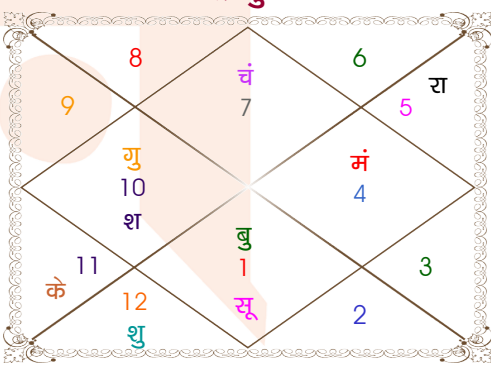

नवमांश कुंडली

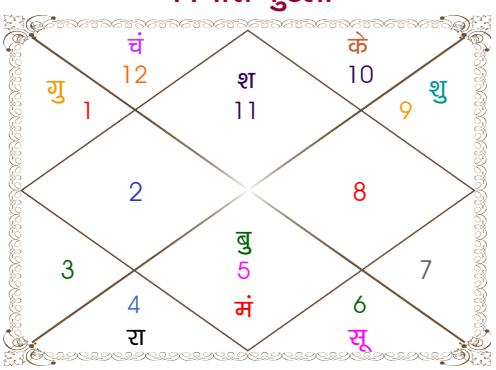

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 0 वर्ष 11 मास 14 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
01/05/1961		15/04/1962		15/04/1978		14/04/1997		15/04/2014	
15/04/1962		15/04/1978		14/04/1997		15/04/2014		14/04/2021	
00/00/0000	गुरु	02/06/1964	शनि	17/04/1981	बुध	11/09/1999	केतु	11/09/2014	
00/00/0000	शनि	14/12/1966	बुध	27/12/1983	केतु	07/09/2000	शुक्र	11/11/2015	
00/00/0000	बुध	21/03/1969	केतु	03/02/1985	शुक्र	09/07/2003	सूर्य	18/03/2016	
00/00/0000	केतु	25/02/1970	शुक्र	05/04/1988	सूर्य	15/05/2004	चंद्र	17/10/2016	
00/00/0000	शुक्र	26/10/1972	सूर्य	18/03/1989	चंद्र	14/10/2005	मंगल	15/03/2017	
00/00/0000	सूर्य	14/08/1973	चंद्र	17/10/1990	मंगल	11/10/2006	राहु	02/04/2018	
00/00/0000	चंद्र	14/12/1974	मंगल	26/11/1991	राहु	30/04/2009	गुरु	09/03/2019	
01/05/1961	मंगल	20/11/1975	राहु	02/10/1994	गुरु	05/08/2011	शनि	17/04/2020	
मंगल	15/04/1962	राहु	15/04/1978	गुरु	14/04/1997	शनि	15/04/2014	बुध	14/04/2021

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
14/04/2021		14/04/2041		15/04/2047		14/04/2057		14/04/2064	
14/04/2041		15/04/2047		14/04/2057		14/04/2064		01/05/2081	
शुक्र	14/08/2024	सूर्य	02/08/2041	चंद्र	13/02/2048	मंगल	10/09/2057	राहु	26/12/2066
सूर्य	14/08/2025	चंद्र	01/02/2042	मंगल	13/09/2048	राहु	29/09/2058	गुरु	21/05/2069
चंद्र	15/04/2027	मंगल	08/06/2042	राहु	15/03/2050	गुरु	05/09/2059	शनि	27/03/2072
मंगल	14/06/2028	राहु	03/05/2043	गुरु	15/07/2051	शनि	14/10/2060	बुध	14/10/2074
राहु	15/06/2031	गुरु	19/02/2044	शनि	12/02/2053	बुध	11/10/2061	केतु	02/11/2075
गुरु	13/02/2034	शनि	31/01/2045	बुध	15/07/2054	केतु	09/03/2062	शुक्र	01/11/2078
शनि	14/04/2037	बुध	08/12/2045	केतु	13/02/2055	शुक्र	09/05/2063	सूर्य	26/09/2079
बुध	13/02/2040	केतु	15/04/2046	शुक्र	14/10/2056	सूर्य	14/09/2063	चंद्र	27/03/2081
केतु	14/04/2041	शुक्र	15/04/2047	सूर्य	14/04/2057	चंद्र	14/04/2064	मंगल	01/05/2081

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 0 वर्ष 11 मा 10 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म रेवती नक्षत्र के तृतीय चरण में मीन लग्न में हुआ था। उस काल मेदिनीय क्षितिज पर कुंभ राशि का नवमांश एवं वृश्चिक राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्मकालिक ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट दृश्य हो रहा है कि आप द्विस्वभात्मक छवि के विद्वेष युक्त होते हुए भी धन एवं प्रसन्नता से युक्त आनंदप्रद जीवन व्यतीत करेंगे।

आप वास्तव में मीन राशीय द्विस्वभावत्मक प्रवृति के जातीय गुणों से युक्त हो। आप असंगतपूर्ण बातें सोचते हो। जिस प्रकार उदाहरण स्वरूप आप जब जन सामान्य व्यक्ति के साथ व्यवहार में बहादुरी एवं आक्रमणशील प्रवृति से उपस्थित होते हो, परंतु घर के मामले में बुद्धिहीनता से नहीं बल्कि बुद्धिमत्ता पूर्वक संकोची स्वभाव से पत्नी के समक्ष जाते हो क्योंकि यह संभव लगता है कि आप पत्नी के सेवक हो। इस प्रकार आप अपने व्यवसाय अथवा कार्य स्थल पर समय से पहुंच जाते हो। आप इस मामले में अत्यंत विश्वसनीय पात्र हैं। आप अपने अनुकूल विषयक बातों के लिए किसी के सामने झुकने वाले नहीं है।

आप व्यक्तिगत रूप से अपने अभिभावक एवं अन्य लोगो की दृष्टि में एक सक्षम कार्यकर्त्ता, आदरणीय, धार्मिक नेता, उदार एवं सहानुभूति करने वाले प्राणी हैं। ऐसा अनुभव करते है। आप अपने जीवन भर आनंदपूर्वक बिताएंगे एवं अत्यधिक धन संग्रह कर सकते हैं। आपका विचार यह रहता है कि किस प्रकार वासनात्मक जीवन व्यतीत किया जाए। आप संतुलित ढंग से समय पर अपनी समर्पित जीवन संगिनी के समक्ष प्रदर्शन करेंगे। परंतु आपका गुप्त रूप से प्रेम प्रसंग में अन्य के प्रति झुकाव हो। यदि आप नारी के प्रति विरोधात्मक रूख आपनाएंगे तो आपका घरेलू वातावरण दूषित हो सकता है। आप यदि अपनी लोलुपता को रोक दें तो आपके समक्ष किसी भी प्रकार की बाधा उत्पन्न नहीं होगी।

इस प्रकार आप अत्यंत व्यवहार कुशल प्रवृति के व्यक्ति हो तथा अपने जीवन में सफल होंगे। इसी प्रकार आप दिवा स्वप्न देखते रहें कि प्रत्येक बार सुख ही सुख प्राप्त हो तो वास्तविकता आप से लुप्त हो जाएगी। आपके लिए आवश्यक है कि नीची विचार धारा से भूमि पर अवतरित हो कर, अपने हस्ताक्षरित कार्य के संपादन हेतु कठिन श्रम एवं समर्पण की भावना से युक्त हो कर कार्य संपादन करें तो निश्चित रूप से आपके हित में लाभदायक प्रमाणित होगा।

आप इस प्रकार अन्य लोगों की प्रतिज्ञा एवं विशेषता पर आश्रित रहना छोड़ दे, क्योंकि प्रायः लोग किसी प्रकार की वचन बद्धता को मात्र कागजी समझते हैं। आपको अपने कार्य व्यवसाय के लिए बाहरी सहयोग के उपर आश्रित रहने के बजाय अपना कार्य अपने हाथों से संपादन करना चाहिए।

आप उच्चकोटि के धार्मिक व्यक्ति हैं। आप आदर्श स्वरूप अपने विचारों के अनुरूप यह चिंतन करें कि धर्म दर्शन को किस प्रकार ग्रहण किया जाए। वैसे मीन राशीय प्रवृति के व्यक्ति को बुनियादी तौर पर पराज्ञान एवं प्राचीन विस्तृत वस्तुओं का अन्वेषण कर यह शिक्षा ग्रहण करनी चाहिए एवं आशावान बन कर अंत में पुर्नजन्म न हो। इसके लिए शिक्षा ग्रहण

करनी चाहिए। धार्मिक व्यक्ति सुगमता पूर्वक स्वतः अभ्यास कर सांसारिक सुखों के विषय में अच्छी प्रकार अपनी उपस्थिति अंकित कराते हैं।

प्रत्येक प्राणी कुछ रोगादि अथवा अन्य रोगादि के प्रति सशंकित रहते हैं अथवा रोग ग्रस्त होने से आशंकित रहते हैं। अतः आप भी वर्षों बाद स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से संबंधित हो सकते है तथा आप कर्ण रोग और आंत्र विकृति से प्रभावित हो सकते हैं। यदि आप रोग के आक्रमण के पूर्व ही सतर्कता बरतें एवं अपने चिकित्सक से विचार विमर्श करें तो आप अंत में कठिन रोग को कम कर सकते हैं। यदि आप ऐसा नहीं कर सके तो जैसा सब के साथ होता है वैसी शारीरिक समस्या आपके साथ भी उत्पन्न हो सकती है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार एवं गुरुवार का दिन उत्तम है। इसके अतिरिक्त सप्ताह के अन्य बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार ये तीनों दिन आपके लिए प्रतिकूल हैं।

आपके लिए अंकों में अंक 1, 3, 4 एवं 9 अंक सर्वथा अनुकूल एवं उत्तम भाग्यशाली है, परंतु अंक 8 सर्वथा प्रतिकूल है।

आप नीले रंग का व्यवहार कदापि नहीं करे। आपके लिए मात्र लाल, गुलाबी, नारंगी एवं हरा रंग अनुकूल उत्तम एवं मनभावन है।